

# Articles of Association (AOA)

[Memorandum of Association](#) (MOA) and Articles of Association (AOA) are two important business documents of a company. Every company needs a set of rules and regulations to manage its internal affairs and the AOA specifies the internal regulations of the company. In simple words, AOA contains the bye-laws of the company, according to which the director and other members must perform their functions.

In this article we will discuss the following topics under AOA in detail:

1. [Articles of Association \(AOA\) Definition](#)
2. [Objectives of Articles of Association \(AOA\)](#)
3. [Forms of Articles of Association \(AOA\)](#)
4. [Content of Articles of Association \(AOA\)](#)
5. [What is the difference between MOA and AOA?](#)

## एसोसिएशन के लेख (AOA)

जापन एसोसिएशन (एमओए) और एसोसिएशन ऑफ एसोसिएशन (एओए) एक कंपनी के दो महत्वपूर्ण व्यावसायिक दस्तावेज हैं। प्रत्येक कंपनी को अपने आंतरिक मामलों के प्रबंधन के लिए नियमों और विनियमों के एक समूह की आवश्यकता होती है और एओए कंपनी के आंतरिक नियमों को निर्दिष्ट करता है। सरल शब्दों में, AOA में कंपनी के उपनियम होते हैं, जिसके अनुसार निर्देशक और अन्य सदस्यों को अपने कार्य करने चाहिए।

इस लेख में हम एओए के तहत निम्नलिखित विषयों पर विस्तार से चर्चा करेंगे:

1. एसोसिएशन ऑफ एसोसिएशन (एओए) की परिभाषा
2. एसोसिएशन के लेख के उद्देश्य (AOA)
3. एसोसिएशन ऑफ एसोसिएशन (एओए) के प्रपत्र
4. एसोसिएशन के लेख की सामग्री (AOA)
5. एमओए और एओए में क्या अंतर है?

असोसिएशनचे लेख (एओए)

मेमोरँडम ऑफ असोसिएशन (एमओए) आणि आर्टिकल्स ऑफ असोसिएशन (एओए) ही कंपनीची दोन महत्त्वपूर्ण व्यावसायिक कागदपत्रे आहेत. प्रत्येक कंपनीला त्याच्या अंतर्गत बाबी व्यवस्थापित करण्यासाठी नियम आणि नियमांच्या संचाची आवश्यकता असते आणि एओए कंपनीच्या अंतर्गत नियमांचे निर्दिष्ट करते. सोप्या शब्दांत, एओएमध्ये कंपनीचे पोट-कायदे आहेत, त्यानुसार संचालक आणि इतर सदस्यांनी त्यांचे कार्य पार पाडणे आवश्यक आहे.

या लेखात आम्ही एओए अंतर्गत खालील विषयांवर तपशीलवार चर्चा करू:

१. लेखांची संघटना (एओए) व्याख्या

२. संघटनांचे लेख (एओए) चे उद्दीष्ट

Association. असोसिएशनच्या लेखांचे फॉर्म (एओए)

Association. असोसिएशनच्या लेखांची सामग्री (एओए)

MO. एमओए आणि एओएमध्ये काय फरक आहे?

## Articles of Association (AOA) Definition

As per Section 2(5) of the Companies Act, 2013 articles means the Articles of Association (AOA) of a company originally framed or altered or applied in pursuance of any previous company law or of this Act.

एसोसिएशन के लेख (एओए) परिभाषा

कंपनी अधिनियम की धारा 2 (5) के अनुसार, 2013 के लेखों का अर्थ है कि किसी कंपनी का लेख (एओए) मूल रूप से किसी कंपनी के पिछले कानून या इस अधिनियम के अनुसरण में फंसाया गया या बदल दिया गया।

लेखांचे संघटन (एओए) व्याख्या

कंपनी अधिनियम, २०१ Section च्या कलम २ (articles) नुसार लेखांचा अर्थ असा आहे की एखाद्या कंपनीच्या मूळ लेखात किंवा बदललेल्या किंवा आधीच्या कोणत्याही कंपनीच्या कायद्याच्या अनुषंगाने किंवा या कायद्याच्या अनुषंगाने आर्टिकल्स ऑफ असोसिएशन (एओए).

## Objectives of Articles of Association (AOA)

- The AOA of a company shall contain the regulations for management of the company.
- The AOA shall also contain such matters, as may be prescribed.
- Further, it shall not prevent a company from including such additional matters in its AOA as may be considered necessary for its management.

एसोसिएशन के लेख के उद्देश्य (AOA)

- • किसी कंपनी के AOA में कंपनी के प्रबंधन के लिए नियम होंगे।
- • एओए में ऐसे मामले भी शामिल होंगे, जैसा कि निर्धारित किया जा सकता है।
- • इसके अलावा, यह किसी कंपनी को उसके एओए में ऐसे अतिरिक्त मामलों को शामिल करने से नहीं रोकेगा जो उसके प्रबंधन के लिए आवश्यक माने जा सकते हैं।

आर्टिकल्स ऑफ असोसिएशनची उद्दीष्टे (एओए)

. कंपनीच्या एओएमध्ये कंपनी व्यवस्थापनाच्या नियमांचा समावेश असेल.

○ एओएमध्ये विहित केल्यानुसार अशा बाबीसुद्धा असतील.

• पुढे, ते एखाद्या कंपनीला त्याच्या व्यवस्थापनासाठी आवश्यक वाटेल अशा एओएमध्ये अशा अतिरिक्त बाबी समाविष्ट करण्यापासून प्रतिबंधित करणार नाही.

# Forms of Articles of Association (AOA)

Schedule I of the Companies Act, 2013 provides forms for Articles of Association (AOA) in tables F, G, H, I and J for different types of companies. Further, AOA must be in the respective form.

S.No	Table	Form
1	Table F	Articles of Association of a company limited by shares
2	Table G	Articles of Association of a company limited by guarantee and having share capital
3	Table H	Articles of Association of a company limited by guarantee and not having share capital
4	Table I	Articles of Association of an unlimited company and having share capital
5	Table J	Articles of Association of an unlimited company and not having share capital

Depending upon the applicability a company may adopt all or any of the regulations contained in the model Article.

In case of any company, which is registered after the commencement of this Act, in so far as the registered AOA of such company does not exclude or modify the regulations contained in the model AOA, those regulations shall be the regulations of that company in the same manner and to the extent as if they were contained in the duly registered AOA of the company, so far as applicable.

प्रयोज्यता के आधार पर एक कंपनी मॉडल अनुच्छेद में निहित सभी या किसी भी नियम को अपना सकती है।

किसी भी कंपनी के मामले में, जो इस अधिनियम के शुरू होने के बाद पंजीकृत है, अब तक ऐसी कंपनी के पंजीकृत एओए मॉडल एओए में शामिल नियमों को बाहर नहीं करते या संशोधित नहीं

करते हैं, वे नियम उस कंपनी के नियम होंगे उसी तरीके से और जिस हद तक वे कंपनी के विधिवत पंजीकृत एओए में सम्मिलित थे, जहां तक लागू है।

अर्ज करण्याच्या आधारावर एखादी कंपनी मॉडेल आर्टिकलमधील सर्व किंवा कोणत्याही नियमांचा अवलंब करू शकते.

हा कायदा सुरु झाल्यानंतर नोंदणीकृत कोणत्याही कंपनीच्या बाबतीत, जोपर्यंत अशा कंपनीच्या नोंदणीकृत एओए मॉडेल एओएमध्ये समाविष्ट असलेल्या नियमांना वगळत किंवा सुधारित करीत नाहीत, त्या नियमांमध्ये त्या कंपनीचे नियम असतील. तेवढेच आणि त्या मर्यादेपर्यंत जे आतापर्यंत लागू असेल त्याप्रमाणे कंपनीच्या योग्य नोंदणी केलेल्या एओएमध्ये आहेत.

## Content of Articles of Association (AOA)

An AOA contains the rules and regulation regarding the following matters:

- **Share capital** including sub-division, rights of various shareholders, the relationship of these rights, share certificates, payment of commission.
- **Lien of shares:** To retain or hold the possession of shares in case the member is unable to pay his debt to the company
- **Calls on shares:** Calls on shares includes the whole or part unpaid on each share which has to be paid by the shareholders on the demand of the company.
- **Transfer of shares:** The AOA include the process for the transfer of shares by the shareholder to other person (transferee).
- **Transmission of shares:** Transmission includes title devolution by succession, death, marriage, insolvency, etc.
- **Forfeiture of shares:** The AOA provides for the forfeiture of shares if the purchase requirements such as paying call money are not met with.
- **Surrender of shares:** Surrender of shares is when the shareholders voluntary gives back or return the shares they own to the company.
- **Conversion of shares in stock:** In consonance with the Articles of association, the company can convert the shares into stock by an ordinary resolution in a general meeting.
- **Share warrant:** A share warrant is a bearer document relating to the title of shares and cannot be issued by private companies; only public limited companies can issue a share warrant.
- **Alteration of capital:** Increase, decrease or rearrangement of capital must be done as the Articles of association provide.

- **General meetings and proceedings:** All the provisions relating to the general meetings and the manner in which they are to be conducted are to be contained in the Articles of association.
- **Voting rights of members,** voting by poll, proxies: The members right to vote on certain company matters and the manner in which voting can be done is provided in the Articles of association.
- **Directors,** their appointment, remuneration, qualifications, powers and proceedings of the boards of directors meetings.
- **Dividends and reserves:** The Articles of association of a company also provide for the distribution of dividend to the shareholders.
- **Accounts and Audits:** The auditing of a company shall be done subject to the provisions of the Articles of association of the company.
- **Borrowing Powers:** Every company has powers to borrow. However; this must be done according to the Articles of association of the company.
- **Winding Up:** Provisions relating to the winding up of the company finds mention in Articles of association of the company and must be done accordingly. एसोसिएशन के लेख की सामग्री (AOA)
- AOA में निम्नलिखित मामलों के संबंध में नियम और विनियमन शामिल हैं:
  - शेयर पूँजी जिसमें उप-विभाजन, विभिन्न अंशधारकों के अधिकार, इन अधिकारों का संबंध, शेयर प्रमाणपत्र, कमीशन का भुगतान शामिल है।
  - शेयरों का ग्रहणाधिकार: यदि सदस्य कंपनी को अपने ऋण का भुगतान करने में असमर्थ है तो शेयरों के कब्जे को बनाए रखने या रखने के लिए
  - शेयरों पर कॉल: शेयरों पर कॉल में प्रत्येक शेयर पर पूरा या आंशिक अवैतनिक शामिल होता है जिसे कंपनी की मांग पर शेयरधारकों द्वारा भुगतान किया जाना होता है।
  - शेयरों का हस्तांतरण: एओए में शेयरधारक द्वारा अन्य व्यक्ति (ट्रांसफर) को शेयरों के हस्तांतरण की प्रक्रिया शामिल है।
  - शेयरों का प्रसारण: ट्रांसमिशन में उत्तराधिकार, मृत्यु, विवाह, दिवाला आदि द्वारा शीर्षक विचलन शामिल हैं।
  - शेयरों का ज़ब्त: एओए शेयरों की ज़मानत के लिए प्रावधान करता है अगर खरीद की आवश्यकताएं जैसे कॉल मनी का भुगतान नहीं किया जाता है।
- शेयरों का आत्मसमर्पण: शेयरों का आत्मसमर्पण तब होता है जब शेयरधारक स्वेच्छा से कंपनी को अपने शेयरों को वापस कर देते हैं या वापस कर देते हैं।
- स्टॉक में शेयरों का रूपांतरण: एसोसिएशन के लेखों के अनुरूप, कंपनी एक सामान्य बैठक में एक साधारण प्रस्ताव द्वारा शेयरों को स्टॉक में परिवर्तित कर सकती है।

- शेयर वारंट: एक शेयर वारंट शेयरों के शीर्षक से संबंधित एक वाहक दस्तावेज है और निजी कंपनियों द्वारा जारी नहीं किया जा सकता है; केवल सार्वजनिक सीमित कंपनियां ही शेयर वारंट जारी कर सकती हैं।
- पूंजी का परिवर्तन: पूंजी का बढ़ाना, घटाना या पुनर्व्यवस्थापन करना चाहिए जैसा कि संघ के लेख प्रदान करते हैं।
- सामान्य बैठकें और कार्यवाही: आम सभाओं से संबंधित सभी प्रावधान और उनके संचालन के तरीके को संघ के लेखों में समाहित किया जाना है।
- सदस्यों के मतदान के अधिकार, मतदान द्वारा मतदान, परदे के पीछे: सदस्यों को कुछ कंपनी के मामलों पर मतदान करने का अधिकार है और जिस तरह से मतदान किया जा सकता है वह एसोसिएशन के लेखों में प्रदान किया गया है।
- निदेशक, उनकी नियुक्ति, पारिश्रमिक, योग्यता, शक्तियाँ और निदेशकों की बैठकों की कार्यवाही।
- लाभांश और भंडार: एक कंपनी के सहयोग के लेख शेयरधारकों को लाभांश के वितरण के लिए भी प्रदान करते हैं।
- लेखा और लेखा परीक्षा: किसी कंपनी का लेखा परीक्षण कंपनी के संघ के लेखों के प्रावधानों के अधीन किया जाएगा।
- उधार देने वाली शक्तियां: हर कंपनी के पास उधार लेने की शक्तियां होती हैं। हालाँकि; यह कंपनी के सहयोग के लेख के अनुसार किया जाना चाहिए।
- वाइंडिंग अप: कंपनी के समापन से संबंधित प्रावधान कंपनी के एसोसिएशन के लेखों में उल्लिखित हैं और उसी के अनुसार किया जाना चाहिए।

लेखाची सामग्री (एओए)

एओएमध्ये खालील बाबींविषयीचे नियम आणि नियम आहेत:

Sub उप-विभाग, विविध भागधारकांचे हक्क, या हक्कांचे संबंध, सामायिक प्रमाणपत्रे, कमिशन भरणे यासह भाग भांडवल.

Shares शेअर्सचा लिलाव: जर एखादा सदस्य कंपनीला कर्ज भरण्यास असमर्थ असेल तर शेअर्स ताब्यात ठेवण्यासाठी किंवा ताब्यात ठेवणे

शेअर्सवरील कॉल: समभागांच्या कॉलमध्ये प्रत्येक वाटाच्या संपूर्ण वा भाग न भरलेला असतो जो कंपनीच्या मागणीनुसार भागधारकांनी भरावा लागतो.

Shares समभागांचे हस्तांतरण: एओएमध्ये समभागधारकाद्वारे शेअर्सचे हस्तांतरण करण्याची प्रक्रिया इतर व्यक्तीकडे (हस्तांतरण) समाविष्ट असते.

Shares समभागांचे हस्तांतरण: संक्रमणामध्ये वारस, मृत्यू, लग्न, दिवाळखोरी इत्यादीने शीर्षक विचलन समाविष्ट होते.

Shares समभागांची जप्ती: कॉलची रक्कम भरणे अशा खरेदीची आवश्यकता पूर्ण न केल्यास एओए समभागांच्या जप्तीची तरतूद करते.

शेअर्स सरेंडर: जेव्हा समभागधारक स्वेच्छेने स्वतःचे कंपनीला दिलेला शेअर्स परत देतात किंवा परत करतात तेव्हा शेअर्स सरेंडर होतात.

Stock समभागातील शेअर्सचे रूपांतर: आर्टिकल्स ऑफ असोसिएशनच्या अनुषंगाने कंपनी सर्वसाधारण सभेमध्ये साधारण ठराव करून शेअर्स स्टॉकमध्ये रूपांतरित करू शकते.

Warrant शेअर्स वॉरंट: शेअर्स वॉरंट हा शेअर्सच्या शीर्षकाशी संबंधित वाहक दस्तऐवज असतो आणि खाजगी कंपन्यांद्वारे जारी केला जाऊ शकत नाही; केवळ सार्वजनिक मर्यादित कंपन्या शेअर्स वॉरंट जारी करू शकतात.

Capital भांडवलात बदल: भांडवलाची वाढ, घट किंवा पुनर्रचना करणे आवश्यक आहे.

Meetings सर्वसाधारण सभा आणि कार्यवाही: सर्वसाधारण सभेसंबंधित सर्व तरतुदी आणि त्या कोणत्या पद्धतीने आयोजित केल्या पाहिजेत त्या असोसिएशनच्या लेखात समाविष्ट केल्या पाहिजेत.

Members सदस्यांचे मतदानाचे हक्क, मतदानाद्वारे मतदान, प्रॉक्सीज: विशिष्ट कंपनीच्या बाबींवर मतदानाचा हक्क असणाऱ्या सदस्यांना आणि ज्या पद्धतीने मतदान केले जाऊ शकते त्या संघटनेच्या लेखात दिले आहेत.

• संचालक, त्यांची नेमणूक, मानधन, पात्रता, अधिकार आणि संचालक मंडळाच्या बैठकीचे कार्यवाही.

Ide लाभांश आणि राखीव वस्तू: कंपनीच्या असोसिएशनचे लेखदेखील भागधारकांना लाभांश वाटप करण्याची तरतूद करतात.

खाते व लेखा परिक्षण: कंपनीचे लेखापरीक्षण कंपनीच्या असोसिएशनच्या लेखांच्या तरतुदीनुसार केले जाईल.



Orrow कर्ज घेण्याची शक्ती: प्रत्येक कंपनीला कर्ज घेण्याचे अधिकार असतात. तथापि; हे कंपनीच्या असोसिएशनच्या लेखांनुसार केले पाहिजे.

• वळण: कंपनीच्या वळण संबंधीच्या तरतुदींचा उल्लेख कंपनीच्या असोसिएशनच्या लेखात आढळतो आणि त्यानुसारच केले जाणे आवश्यक आहे.

## Difference between Memorandum of Association and Articles of Association

Parameters	MOA	AOA
Objectives	It defines the objectives of a company. Further, it specifies the conditions of incorporation.	It contains the rules and regulations as well as bye-laws for the internal management of the company.
Relationship	It defines the relationship of the company with the external world.	It defines the relationship between the members and the company.
Alteration	Only under special circumstances, it can be altered.	By passing a special resolution, It can be altered.
Ultra-Vires	Any acts beyond the scope of the MOA are ultra-vires and void. Furthermore, even unanimous votes for the consent of such act from all the shareholders cannot ratify it.	Acts which are ultra-vires the AOA can be ratified by a special resolution of the shareholders. However, such acts should not ultra-vires the MOA.